Website : challengerdainik.com

पालीताना से प्रकाशित दैनिक

चेलेंजर

संपादक : प्रतापभाई के. गोहिल

Email : challengerdainik@gmail.com

Year - 2 • Issue - 286 • Date : 24-10-2018 • Wednesday • Page 4 • Rs.2.00 • PALITANA • Office No. : 02848-251933 • Mo. 9428121933 • Reg No. BVR-397/2015-2017

पटाखों पर प्रतिबंध की मांग पर फैसला २८ अगस्त को सुरक्षित रखा

दिवाली पर पटाखे फोड ने की सुप्रीम ने दी मंजूरी

सुप्रीम ने कुछ शर्तो के साथ ऐसे पटाखों की खरीद और बिक्री की इजाजत दी, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन पटाखों की बिक्री पर रोक लगा दी

(संपूर्ण समाचार सेवा)

नई दिल्ली, २३ अक्टूबर।

सुप्रीम कोर्ट से देश भर के लोगों के लिए दिवाली पर राहत की खबर आई है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने देश भर में कुछ शर्तो के साथ दिवाली पर पटाखा बिक्री की अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश भर में पटाखों की बिक्री पर पूरी तरह से रोक नहीं है। केवल लाइसेंस धारक दुकानदार ही पटाखे बेच पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक रात आठ बजे से १० बजे तक ही पटाखे फोड़ने की अनुमति दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ शर्तो के साथ ऐसे पटाखों की खरीद और बिक्री की इजाजत दी है, जिससे प्रदुषण कम निकलता है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन पटाखों की बिक्री पर रोक लगा दी है, ऐसे में फ्लिपकार्ट, अमेजन जैसी वेबसाइट पर पटाखों की बिक्री

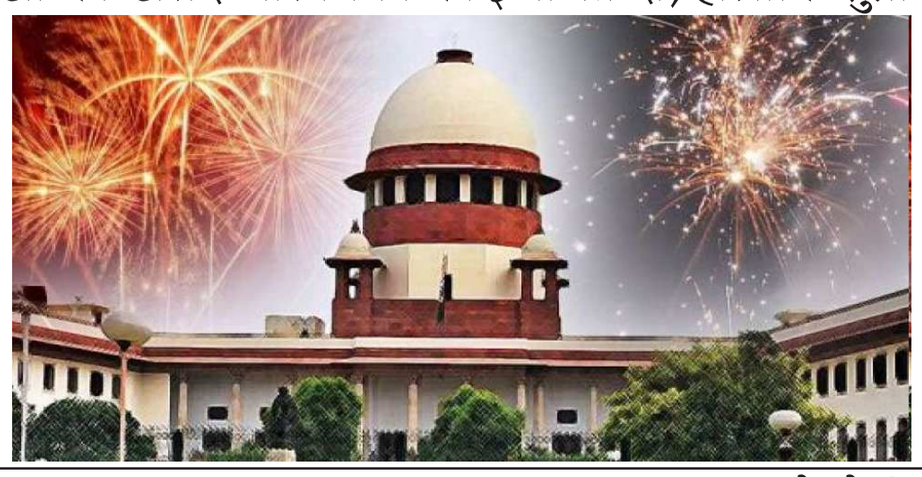

नहीं हो सकेगी। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली के अलावा क्रिसमस और नव वर्ष पर रात ११.४५ से १२.३० के बीट पटाखे जलाने की अनुमति दी है। दरअसल, पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद अपना फैसला २८ अगस्त को सुरक्षित रख लिया था। वहीं सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार, पटाखा विक्रेताओं और निर्माताओं ने कहा था कि ठंड के महीनों में प्रदुषण कई वजहों से होता है और बिना किसी सटीक अध्ययन के इसके लिए पटाखों को जिम्मेदार ठहराना गलत है और पटाखों की गुणवत्ता सुधारने पर काम होने चाहिए। लोगों ने याचिका दायर कर देशभर में पटाखों के उत्पादन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। पटाखों पर पूरी तरह प्रतिबंध संबंधी याचिका में दलील दी गई थी कि १ नवंबर से शादियां का सीजन शुरू हो जाएगा जिसमें बड़े पैमाने पर पटाखों की मांग होगी जो शहर की हवा सबसे खराब समय होता है। ये भी कहा गया था कि पटाखों की बिक्री केवल शादियों तक ही सीमित नहीं रहेगी बल्कि पटाखों की मांग क्रिसमस और नए साल भी रहती है। जिसका असर कई दिनों तक रहता है ऐसे में देश भर में पटाखों की बिक्री पर रोक लगाई जाए।

हाई कोर्ट पहुंचा सीबीआई के भीतर का संग्राम

आखिरकार राकेश अस्थाना ने एफआईआर रद्द करने की मांग

घूसखोरी के मामले में अस्थाना ने हाई कोर्ट से अपने खिलाफ कोई बलपूर्वक कार्रवाई ना करने का निर्देश

(संपूर्ण समाचार सेवा)

नई दिल्ली,२३ अक्टूबर।

सीबीआई के भीतर छिड़ा संग्राम अब कोर्ट तक पहुंच गया है। मंगलवार को सीबीआई के विशेष निदेशक राकेश अस्थाना ने अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया। उन्होंने याचिका दाखिल कर सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर रद्द करने की मांग की है। घूसखोरी के मामले में अस्थाना ने हाई कोर्ट से अपने खिलाफ कोई बलपूर्वक कार्रवाई ना करने का निर्देश दिए जाने की भी मांग की है। आपको बता दें कि केंद्रीय जांच ब्यूरो के टॉप बॉस आलोक वर्मा और स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना के बीच खींचतान काफी बढ़ गई है। उधर, सीबीआई ने विशेष निदेशक राकेश अस्थाना की कथित संलिप्तता वाले रिश्वतखोरी मामले के संबंध में एजेंसी के डीएसपी देवेंद्र कुमार को दिल्ली की एक अदालत में पेश किया।

सीबीआई ने देवेंद्र कुमार को हिरासत में देने का अनुरोध करते हुए दलील दी कि उनके कार्यालय एवं आवास पर छापे में अहम दस्तावेज तथा सबूत मिले हैं। सीबीआई ने डीएसपी देवेंद्र कुमार की १० दिन की रिमांड मांगी है। इस पर देवेंद्र कुमार के वकील ने दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में जमानत अर्जी दाखिल की है। सीबीआई के डीएसपी देवेंद्र कुमार ने जांच एजेंसी के विशेष निदेशक राकेश अस्थाना से जुड़े रिश्वतखोरी के आरोपों के संबंध में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए मंगलवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन ने मुख्य न्यायाधीश राजेंद्र मेनन और न्यायमूर्ति वीके राव की पीठ के समक्ष इस याचिका का उल्लेख किया। डीएसपी ने इस मामले में सीबीआई, उसके निदेशक आलोक वर्मा, संयुक्त निदेशक एके शर्मा और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को पक्षकार बनाया है।

MP चुनाव : अब आपको मेरी इज्जत रखनी, पार्टी गई तेल लेने

(संपूर्ण समाचार सेवा)

भोपाल,२३ अक्टूबर।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। सभी दलों के नेताओं ने मतदाताओं से संपर्क के लिए दिन-रात एक कर दिया है। हरेक प्रत्याशी किसी भी तरह से जीत सुनिश्चित करना चाहता है। इस बीच कांग्रेस के इंदौर से विधायक जीतु पटवारी का एक विडियो वायरल हो गया है। इस वायरल विडियो में वह एक मतदाता से कहते नजर आ रहे है कि आपको मेरी इज्जत रखनी है, पार्टी गई तेल लेने। दरअसल, चुनाव प्रचार के सिलसिले में जीतु पटवारी घर-घर जाकर लोगों से वोट मांग रहे हैं। इसी दौरान वह इंदौर के एक घर में पहुंचे जहां उन्होंने एक मतदाता दंपती के पैरे छुए और जीत का आशीर्वाद मांगा। इसी दौरान उन्होंने कहा, आपको मेरी इज्जत रखनी है, पार्टी गई तेल लेने। चुनावी मौसम में जीतू पटवारी के इस बयान का विडियो अब सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। पटवारी के इस विडियो पर बीजेपी ने भी हमला बोला है। मध्य प्रदेश बीजेपी ने ट्वीट कर कहा, कांग्रेस ने मानी हार, घटते जनाधार से कांग्रेस प्रत्याशी अब करने लगे व्यक्तिगत प्रचार। बता दें कि मध्य प्रदेश की २३० सीटों पर २८ नवंबर को वोट डाले जाने हैं। प्रदेश में चुनाव के नतीजे ११ दिसंबर को आ जाएंगे। राज्य की सियासत में कांग्रेस डेढ़ दशक से सत्ता से बाहर है। लगातार तीन विधानसभा चुनावों में और राज्य की लोकसभा सीटों पर कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस ने ८० प्रत्याशियों के नाम पर मुहर लगा दी है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन नामों को मंजूरी दी है। इस बार चुनाव सिर पर हैं लेकिन कांग्रेस भीतरी लड़ाई से जुझ रही है।

खराब शक्तियों को दूर करने का मुख्य उद्देश्य है

आतिशबाजी की परंपरा चीन में ९वीं सदी में से शुरू हुई थी

दुनिया में चीन पटाखा और आतिशबाजी का सबसे बड़ा निर्यातक देश : यूरोप में रंगीन आतिशबाजी होती

(संपूर्ण समाचार सेवा)

नई दिल्ली,२३ अक्टूबर।

सुप्रीम कोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ पटाखे चलाने की अनुमति देने के साथ ही इन पर बैन संबंधी मांग को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कम उतसर्जन के लिए हरित पटाखों के उत्पादन और बिक्री की अनुमति दी। इसके साथ ही दिपावली और अन्य त्योहारों पर आतिशबाजी के लिए रात आठ बजे से रात १० बजे तक का समय निर्धारित किया। पिछले एक साल से कोर्ट में चल रही बहस के बाद दीपावली के महज १५ दिन पहले आए इस निर्णय से आतिशबाजी प्रेमियों को राहत मिली है। वैसे तीज त्योहार पर पटाखे चलाने की परंपरा सदियों पुरानी है। माना जाता है कि आतिशबाजी की परंपरा चीन में नौवीं सदी में शुरू हुई थीं। यह भी कहा जाता है कि धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक बुरी शक्तियों को भगाने के लिए चीन में इसकी शुरुआत हुई। प्राचीन चीन की चार महान खोजों में गनपाउडर के आविष्कार को भी गिना जाता है। उसी के इस्तेमाल से पटाखे चलाने की शुरूआत हुई। चीन के परंपरागत नव वर्ष और मून फेस्टिवल के दौरान तो इनका चलन निश्चित रूप से देखने को मिलता है। दुनिया में चीन पटाखे और आतिशबाजी का सबसे बड़ा निर्माता और निर्यातक है। रंगीन आतिशबाजी का प्रयोग यूरोप में १८३० के दशक में शुरू हुआ था। आकाश में दिखने वाली आधुनिक आतिशबाजी का आविष्कार २०वीं की शुरुआत में हुआ था। पटाखों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की पुष्ठभूमि में यदि देखा जाए तो दुनिया के कई अन्य मुलकों में भी इस संबंध में कई शर्तें और पाबंदियां अख्तियार की गई है। दरअसल इसकी वजह से होने वाले हादसों और हताहतों के कारण ही मुलकों में इसकी वैधानिकता पर बहस होती रही है।

सबरीमाला पर बोलीं स्मृति इरानी

खून से सना पैड लेकर दोस्त के घर जाते है? : स्मृति इरानी

(संपूर्ण समाचार सेवा)

मुंबई,२३ अक्टूबर।

केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अब केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने भी इस पर बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें मंदिर में पूजा करने का अधिकार है लेकिन अपवित्र करने का नहीं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने रजस्वला आयु वर्ग की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश की इजाजत दी थी। आदेश के बावजूद इस बार किसी रजस्वला आयु वर्ग की महिला को प्रवेश नहीं मिल सका। केरल के सबरीमाला मंदिर के पट सोमवार को मासिक पूजा के बाद बंद भी हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री

स्मृति इरानी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, मुझे पूजा करने का अधिकार है लेकिन अपवित्र करने का नहीं। उन्होंने आगे कहा, मैं मौजूदा केंद्रीय मंत्री हूं इसलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी नहीं कर सकती हूं लेकिन क्या आप माहवारी के खून से सने सैनिटरी नैपकिन को लेकर अपने दोस्त के घर जाएंगी। तो आप भगवान के घर पर उसे लेकर क्यों जाना चाहती है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि यह उनकी व्यक्तिगत राय है। बता दें कि महिलाओं को मंदिर के अंदर नहीं जाने देने के लिए पीरियड्स एक बड़ा कारण माना जाता है लेकिन इसके अलावा कहानियां और भी है।

माना जाता है कि भगवान अयप्पा ने खुद यह तय किया था कि उनके दर्शन के लिए कौन आ सकता है और कौन नहीं। भगवान के मंदिर में हर साल लाखों पुरुष पहाड़ चढ़कर, नंगे पैर जाते है। वे ४१ दिन का व्रत करते हैं जिस दौरान स्मोकिंग, शराब, नॉन-वेज, सेक्स और उन महिलाओं से दूर रहते है जिनके पीरियड्स चल रहे होते हैं। इसके बाद वह दर्शन के लिए निकलते है।

वह खुद बीजेपी पार्टी के लिए ताकत : असदुद्दीन ओवैसी

(संपूर्ण समाचार सेवा)

मुंबई,२३ अक्टूबर।

एआईएमआईए चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने राम मंदिर, राफेल और तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर मंगलवार को केंद्र की बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान पीएम पर हमला बोलते हुए ओवैसी ने कहा कि नरेंद्र मोदी कोई खुदा नहीं है, खुदा अल्लाह है। ओवेसी ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की क्षमता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी खुद बीजेपी के लिए ताकत हैं। ओवैसी ने दो टूक कहा कि यह देश मोदी और राहुल से बहुत बड़ा है। मंगलवार को एक चैनल के निजी कार्यक्रम में मुगल शासकों का मुद्दा उठाते हुए ओवैसी ने कहा कि वह मुगलों को आक्रमणकारी नहीं मानते हैं। एआईएमआईएम चीफ ने कहा कि मुगल इसी देश में पैदा हुए है और वह हमारे इतिहास का हिस्सा है। इस दौरान ओवैसी ने यह भी कहा कि मुगलों ने भारत पर कोई अहसान नहीं किया है। राहुल पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के पास आखिर क्या है, यह उन्हें अब तक समझ नहीं आया है। ओवैसी ने दो टूक कहा कि राहुल गांधी खुद बीजेपी के लिए ताकत है। ओवैसी ने बीजेपी को घेरते हुए कहा कि वह अब भी गुलामी से बाहर नहीं निकल पाई है। साथ ही उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि देश में अभी भी लाल किले से तिरंगा झंडा फहरना पड़ता है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि बीजेपी सरकारों में मुसलमान इस देश में सुरक्षित नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या हर मुसलमान आक्रणकारी है। आरएसएस चीफ पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि भागवत ने मुसलमानों पर उंगली उठाने की बात क्यों की।

२६ को ज्वालामुखी फटने की महत्व की भविष्यवाणी

(संपूर्ण समाचार सेवा)

अहमदाबाद,२३ अक्टूबर।

शहर के युवा और लोकप्रिय खगोलविद तथागत कश्यप ने फिर एकबार २६ अक्टूबर को ज्वालामुखी फटने की भविष्यवाणी की है। हालांकि यह ज्वालामुखी दक्षिण अमेरिका और आफ्रिका की टेकटोनीकल प्लेट के बीच और भूमध्यरेखा पर ज्वालामुखी में फटेगा। २६ अक्टूबर को ब्रह्मांड में शुक्र का ग्रह पृथ्वी के निकट आएगा तब इसके गुरूत्वाकर्षण की धरती पर जहां तक ज्यादा असर होगा यह स्थल पर ज्वालामुखी फटने की संभावना है। हालांकि शुक्र के गुरूत्वाकर्षण के कारण भारत में भी इसका असर देखने को मिले और चक्रवात, बारिश सहित की असर होने की संभावना रही है। भूकंप या ज्वालामुखी की भविष्यवाणी पहले से नहीं की जा सकती है ऐसे में वैज्ञानिकों के दावे को गलत बताते हुए यह युवा खगोलविद तथागत कश्यप ने बताया है कि, भूकंप या ज्वालामुखी की भविष्यवाणी पहले से की जा सकती है। क्योंकि, यह ब्रह्मांड में रहे ग्रहों के पृथ्वी पर के गुरूत्वाकर्षण बल पर आधारित है। २६ अक्टूबर को शुक्र का बड़ा ग्रह पृथ्वी के निकट से गुजरेगा और इसके गुरूत्वाकर्षण की वजह से पृथ्वी पर ज्वालामुखी फटने सहित की प्राकृतिक आपदा पैदा होने की संभावना है। जिसमें यह ज्वालामुखी विस्फोट भूमध्यरेखा पर ज्वालामुखी में फटेगा। यह ज्वालामुखी विस्फोट आक्षांस वृत्त माइनस जीरो अंश से ४० अंश दक्षिण, रेखांशवृत्त माइनस ८० अंश से पश्चिम से ६० अंश पूर्व हिस्से में होगा। जिसके कारण पृथ्वी पर विन्ड बेल्ट पर असाधारण परिवर्तन होगा विशेष करके विश्वभर में वातावरण-मौसम में बदलाव, हिमपात, मेघगर्जना के साथ चक्रवात और बारिश होने की संभावना है। भारत में इसका असर हो सकता है। २५, २६ और २७ अक्टूबर के दौरान भारत में मौसम बदलने के साथ हिमपात, चक्रवात, आंधी और बारिश होने की संभावना है।

पालीताना से प्रकाशित दैनिक
चेलेन्जर

DATE : 24-10-2017, WEDNESDAY, PAGE - 3

संपादकीय

डेंगू, पीलिया व टाइफाइड के मरीजों में वृद्धि

शहर में पीलिया, टाइफाइड व डेंगू जैसे घातक रोगों के मरीजों में लगातार वृद्धि हो रही है। अक्टूबर माह के बीस दिनों में इन मरीजों की संख्या सवा छह सौ के पार पहुंच गई है, जो पिछले वर्ष अक्टूबर माह से अधिक है।

शहर में जलजनित व मच्छरजनित रोगों का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। अक्टूबर माह के बीस दिनों में टाइफाइड के सबसे अधिक २३३ मरीज सामने आए हैं। पिछले वर्ष ३१ दिनों में इनकी संख्या २२७ ही थी। इसके अलावा मच्छरजनित रोग डेंगू के मरीजों की संख्या इस माह अब तक २०० पर पहुंच गई है। औसत के आधार पर देखा जाए तो पिछले वर्ष (२८९) की तुलना में अधिक है। इसके अलावा शहर के विविध अस्पतालों में पीलिया के मरीज भी दो सौ के समीप पहुंच गए। जलजनित रोग उल्टीदस्त के २२०, मच्छरजनित रोग मलेरिया के २७०, फाल्सीफेरम के ६३ व चिकनगुनिया के तीन मरीजों की पुष्टि हुई है।

दूसरी ओर मनपा के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि रोगों को नियंत्रण के लिए विविध उपाय किए जा रहे हैं। गत सत्रह दिनों में लगभग एक लाख घरों में फॉगिंग किए जाने का दावा भी किया है। इसके अलावा बीस दिनों में १४८७५ क्लोरीन टेस्ट किए गए। पानी के करीब डेढ़ हजार नमूने लिए गए। साथ ही सवा दो लाख किलो से अधिक कीटनाशक का छिड़काव किया गया और क्लोरीन की करीब सवा तीन लाख गोलियों का प्रभावित विस्तारों में वितरण भी किया गया। इसके अलावा भी अन्य कई कदम उठाने का दावा किया गया।

आपका आज का दिन

मेष : आज आनंद से आपका तथा अन्य का काम कर सकते हैं। पत्नी और संतान का काम नौकरी-धंधे का काम आसानी से होगा।

वृषभ : आज के दिन आपको अपने दोस्तों के साथ मारपीट होने की संभावना बनी हुई है। आज के दिन आप किसी से ज्यादा विवाद नहीं करे।

मिथुन : आपके कार्य में व्यस्त रहेंगे। भागदौड़-श्रम में वृद्धि होगी। जमीन-मकान वाहन लेन-देन में अनुकूलता रहेगी।

कर्क : शांति-स्वस्थता बनाये रखकर नौकरी-धंधा के कामकाज करना। आज के दिन आप काम-धंधे का आयोजन कर सकेंगे।

सिंह : आपकी बुद्धि-अनुभव योग्यता -मेहनत के आधार पर काम का समाधान ला सकते हैं। आपके काम की प्रशंसा होगी।

कन्या : आज आपको अपने रिश्तेदार के वहां सामाजिक प्रसंग पर बाहर जाना पड़ेगा। आज आपको अपने पिताजी की तरफ से आर्थिक मदद मिलेगी।

तुला : आज के दिन आपको ससुरालपक्ष के साथ मारपीट होने की संभावना है। आज के दिन अपने परिवार से आर्थिक सहयोग प्राप्त नहीं होगा।

वृश्चिक : घर-परिवार के नौकरी-धंधा के काम करो लेकिन आज आप अपनी वाणी की कला से सभी दोस्तों को प्रभावित कर देंगे।

धन : पुत्र के करियर की आपको विशेष चिंता सतायेगी। आज आपको अपने नौकर के साथ विवाद होने की संभावनी बनी है।

मकर : आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना है। नौकरी-धंधा के काम में रुकावट आएगी।

कुंभ : आपके कार्य में अनुकूलता बनी रहेगी। महत्व के निर्णय लेने पड़ेंगे। इच्छित व्यक्ति के साथ मुलाकात होगी।

मीन : आज आपको अपनी पत्नी के साथ विवाद होने की संभावना बनी रहेगी। आज आपको किसी काम में मन नहीं लगेगा।

संपूर्ण सूडोकू — पहेली नं. २३९

		1	5		8	4		
			3		2			
	5	4				2	6	
	8	9				3	1	
			8		1			
	4	5				8	9	
	1	2				7	4	
			6		7			
		8	4		1	5		

खेलने का तरीका

यहां पर आपको एक वर्गाकार आकुति दी है। इसमें ३ गुना ३ के नौ बॉक्स है, सभी बॉक्स में नौ खाने है।

क्या करना है-

(१) सभी बॉक्स में १ से ९ अंक लिखने है कोई अंक बाकी नहीं रहे।

(२) ऊपर से नीचे और दाए से बाए खानों की सभी लाइनों में १ से ९ अंकों को इस तरह भरना है जिससे एक सीधी लाइन में कोई अंक दूबारा नहीं आए।

(४) शुरूआत उस खाने को भरने से करें जहां अंक लिखने के लिए विकल्प कम हो।

(५) पहेली का हल अगले दिन।

पहेली नं. २३८ का हल

1	6	3	9	5	7	8	4	2
7	8	9	2	4	1	3	5	6
5	4	2	3	6	8	9	1	7
8	9	6	5	7	3	4	2	1
4	3	1	8	2	6	7	9	5
2	5	7	4	1	9	6	3	8
6	1	5	7	9	4	2	8	3
3	2	4	6	8	5	1	7	9
9	7	8	1	3	2	5	6	4

एएचपी के प्रमुख प्रवीण तोगड़िया अयोध्या में

अलर्ट पर प्रशासन, पुलिस के साथ कार्यकर्ताओं की झड़प

रामकोट परिक्रमा और सरयू तट पर संकल्प सभा की तैयारी को देखते हुए अयोध्या में हाई अलर्ट है : रिपोर्ट

(संपूर्ण समाचार सेवा)

अयोध्या,२३ अक्टूबर।

राम मंदिर निर्माण की मांग को लेकर अयोध्या पहुंचे अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रमुख प्रवीण तोगड़िया ने प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी है। सोमवार को जहां तोगड़िया जिला प्रशासन से बिना अनुमति लिए सरयू तट पर सभा करने पहुंच गए थे, वहीं मंगलवार को रामकोट परिक्रमा और सरयू तट पर संकल्प सभा की तैयारी को देखते हुए अयोध्या में हाई अलर्ट है। हालांकि बाद में प्रशासन के मान मनौवल के बाद तोगड़िया ने रामकोट की परिक्रमा का प्रोग्राम रद्द कर दिया। दरअसल, प्रशासन से टकराव की आशंका को देखते हुए अयोध्या में खास सतर्कता बरती जा रही है। सोमवार से ही तोगड़िया के हर कदम पर प्रशासन की विशेष निगाह बनी हुई है। मंगलवार सुबह अचानक बड़ी संख्या में एएचपी कार्यकर्ता रामकोट परिक्रमा के लिए आगे बढ़ने लगे। बताया जा रहा है कि अयोध्या की तरफ जाने वाले एक बैरियर को धकेलकर समर्थक जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान पुलिस से उनकी झड़प हो गई। फिलहाल अयोध्या में स्थिति सामान्य है। तोगड़िया समर्थकों का अयोध्या से जाना शुरू हो गया है।

प्रशासन ने अयोध्या के सभी बंद रास्ते खोल दिए है। दरअसल, सोमवार को जिला प्रशासन से सरयू तट पर सभा की अनुमति ना मिलने के बावजूद प्रवीण तोगड़िया ने वहां समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ३२ साल से आरएसएस, बीजेपी और वीएचपी एक ही मुद्दे को लेकर राम मंदिर का आंदोलन चला रहे थे कि संसद में कानून बनाकर राम मंदिर बने। तोगड़िया ने आरोप लगाया कि अब जब यही लोग पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में है तो राम मंदिर का दर्शन तक करने नहीं आते।

योगी मंगलवार को छत्तीसगढ़ पहुंचे

रमन सिंह ने योगी का पैर छूकर लिया आशीर्वाद, भरा नामांकन

रमन सिंह, उनकी पत्नी और बेटे ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पांव छूकर आशीर्वाद लिया : रिपोर्ट

(संपूर्ण समाचार सेवा)

रायपुर,२३ अक्टूबर।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को छत्तीसगढ़ पहुंचे। वह यहां के मुख्यमंत्री रमन सिंह के नामांकन में शामिल होने पहुंचे थे। उनके यहां पहुंचने पर रमन सिंह के घर में उनका स्वागत किया गया। रमन सिंह, उनकी पत्नी और बेटे ने योगी आदित्यनाथ के पांव छूकर आशीर्वाद लिया। योगी की आरती उतारी गई और माल्यार्पण किया गया। योगी आदित्यनाथ छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रमन सिंह के नामांकन प्रक्रिया में शामिल होने राजधानी रायपुर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने नामांकन के पहले योगी आदित्यनाथ का पूजन किया। घर पर पांच पंडित बुलवाए गए। पंडितोंने मंत्र पढ़े। रमन सिंह के परिजनों ने योगी को माला पहनाया और उनकी आरती उतारी। उसके बाद रमन सिंह ने योगी की पांव छूकर उनका आशीर्वाद लिया। उनके साथ ही उनकी पत्नी वीणा सिंह और बेटे अभिषेक सिंह ने भी योगी के पैर छुए। घर से रमन सिंह काफिले से साथ नामांकन फाइल करने पहुंचे। यहां भी रमन सिंह ने नामांकन भरने से पहले योगी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और फिर नामांकन पत्र भरा। योगी को भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में हो रहे चुनाव प्रचार में स्टार प्रचारक बनाया है। योगी ने यहां पार्टी वर्कर्स से बात की। इससे पहले एयरपोर्ट पर उतरते ही योगी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मुझे बहुत ही खुशी हो रही है कि मुझे छत्तीसगढ़ आने का मौका मिला। रमन सिंह के कार्यकाल के दौरान प्रदेश में बहुत अच्छे काम हुए। एक बार फिर से छत्तीसगढ़ में भारी बहुमत से बीजेपी की सरकार बनेगी।

१५ नवम्बर से समर्थन मूल्य से होगी मूंगफली की खरीदी

राज्य में २६.९५ लाख मीट्रिक टन मूंगफली के उत्पादन की संभावना

गांधीनगर. इस बार गुजरात में मूंगफली का उत्पादन २६.९५ लाख मीट्रिक टन मूंगफली के उत्पादन की संभावना है। ऐसे में मूंगफली की समर्थन मूल्य से खरीदी आगामी १५ नवम्बर से होगी। राज्य में १२२ केन्द्रों पर खरीदी की प्रक्रिया आरंभ होगी।

यह जानकारी कृषि मंत्री आर सी. फळ्दू और नागरिक आपूर्ति मंत्री जयेश रादडिया ने मंगलवार को दी। मंत्रीद्वय (दोनों मंत्रियों) ने कहा कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने राज्य के किसानों की मूंगफली की खरीदी समर्थन मूल्य से पारदर्शी रूप से होने का आयोजन किया है। केन्द्र सरकार की एजेंसी नेफेड के मार्फत राज्य की नोडल एजेंसी गुजरात राज्य खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम मूंगफली खरीदेगी। केन्द्र सरकार ने मूंगफली के लिए घोषित किए गए समर्थन मूल्य के भाव ४८९० रुपए प्रति क्विंटल के साथ-साथ राज्य सरकार की ओर से ११० रुपए प्रति क्विंटल के अलावा राज्य सरकार के ११० रुपए प्रति क्विंटल बोनस सहित कुल ५००० रुपए प्रति क्विंटल से खरीदी की जाएगी।केन्द्र सरकार की पीएम-आशा के तहत समर्थन मूल्य की योजना के तहत राज्य के किसानों से समर्थन मूल्य पर मूंगफली की खरीदी नेफेड के मार्फत राज्य की नोडल एजेंसी गुजरात राज्य नागरिक आपूर्ति निगम करेगी।

एक से ३० नवम्बर तक किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण

उन्होंने बताया कि समर्थन मूल्य से खरीदी के लिए किसानों का पहली नवम्बर से ३० नवम्बर तक ऑनलाइन पंजीकरण किया जाएगा। किसानों का पंजीकरण खरीद केन्द्रों के साथ-साथ ग्रामीण स्तर पर ई-ग्राम केन्द्र से हो सकेगा। पंजीकरण के समय किसानों को अद्यतन ७-१२, ८-ए की प्रति, फॉर्म नंबर १२ में फसल बुआई के संबंध में एंट्री नहीं की गई हो तो फसल बुआई को लेकर तहसीलदार के मोहर-हस्ताक्षर के साथ प्रमाणपत्र, आधार कार्ड की प्रति या आधार पंजीकरण नंबर, इस संबंध में सबूत आईएफएससी सहित बैंक खाते की जानकारी के लिए बैंक पासबुक की प्रति या कैंसल्ड चेक पेश करना होगा। पोर्टल पर पंजीकरण किए गए किसानों का क्रमानुसार ७-१२ या तहसीलदार के प्रमाणपत्र में दर्शाए गए बुआई के इलाके व जमीन धारक को ध्यान में रखकर राज्य के औसत उत्पादन के आधार पर नियत गुणवत्ता वाली मूंगफली की खरीदी की जाएगी। मंत्रीगण ने कहा कि राज्य में गुजरात राज्य नागरिक आपूर्ति निगम की ओर से वर्तमान में कुल १२२ खरीद केन्द्रों से मूंगफली की खरीद की शुरुआत होगी। सभी खरीद केन्द्र एपीएमसी में आरंभ की जाएगी। खरीद प्रक्रिया के दौरान खरीद केन्द्र पर सीसीटीवी की सुविधा होगी। इसका फुटेज का रिकॉर्ड रखा जाएगा। खरीद केन्द्र पर प्रत्येक दिन खरीदी प्रक्रिया का वीडियो रिकॉर्डिंग किया जाएगा। यहां प्रतिदिन निगरानी के लिए उपकलक्टर स्तर के अधिकारी की अगुवाई में स्कवॉड का गठन कर समय-समय पर खरीद केन्द्र की जांच की जाएगी। राज्य में कुल १४.६८ लाख हेक्टेयर इलाके में मूंगफली की बुवाई की गई। इसमें कुल २६.९५ लाख मीट्रिक टन उत्पादन की संभावना है। इस तरह प्रति हेक्टेयर औसत उत्पादकता १८३६ किलोग्राम है। खरीद केन्द्र पर किसानों की एक दिन में अधिकतम १७५० किलोग्राम मूंगफली खरीदी जाएगी। प्रति किसान की ज्यादा से ज्यादा २ हेक्टेयर की सीमा में समर्थन मूल्य से खरीदी की जाएगी।

वडोदरा में कैदियों के स्टॉल पुनः होंगे शुरू, जेल कम्पाउंड में जगह आवंटित

वडोदरा. सेन्ट्रल जेल के कैदियों की ओर से उत्पादित वस्तुएं की स्टॉल अब पुनः शुरू किए जाएंगे, इसके लिए जेल कम्पाउंड में जगह आवंटित की गई है। ऐसे में अब नए सिरे से कैदी स्टॉलों पर फिर से उत्पादों की बिक्री कर सकेंगे।वडोदरा मध्यस्थ जेल परिसर स्थित स्टॉल्स पर जेल कैदियों की ओर से उत्पादित वस्तुओं की बिक्री होती थी, लेकिन स्मार्ट सिटी के तहत जेल परिसर की कुछ जमीन वडोदरा महानगर पालिका (मनपा) के हवाले की गई, जिससे कैदियों के स्टॉल बंद करने पड़े थे। ऐसे में यह स्टॉल अब नए सिरे से शुरू करने के लिए जेल प्रशासन ने कवायद शुरू की है।हाल ही जेल कैदियों की साधन शिविर के समापन मौके पर वडोदरा सेन्ट्रल जेल के अधीक्षक हर्षद मेहता ने कहा कि कैदियों के कार्य को जारी रखने एवं उनके कौशल अनुसार आवक के अवसर उपलब्ध कराने के लिए रोजगारलक्षी कार्यों के मौके दिए जाते हैं। कैदियों की ओर से उत्पादित वस्तुएं की बिक्री के स्टॉल फिलहाल बंद हैं, लेकिन अब जेल के मुख्य प्रवेशद्वार के पास ही नए सिरे से शुरू करने की मंजूरी दी गई है। स्टॉल के लिए जमीन आवंटित होने से अब शीघ्र ही कैदियों के स्टॉल शुरू हो जाएंगे।

बैंक, आंगडिया पेढ़ी व सुनार की दुकानों पर विशेष ड्राइव

वडोदरा. पुलिस की ओर से त्यौहारों को ध्यान को ध्यान रखते हुए बैंक, आंगडिया पेढ़ी व ज्वेलर्स की सुरक्षा के लिए विशेष ड्राइव शुरू की गई है। इसके दौरान पुलिस राउंड द क्लॉक २४ घंटे गश्त करेगी। शहर पुलिस आयुक्त ने भी चार दरवाजा क्षेत्र के सोनी बाजार का दौरा किया और सुरक्षा-व्यवस्था की जांच की। त्यौहारों के मौके पर अधिकतर नकदी की हेराफेरी होती है, विशेषकर आंगडिया पेढ़ी एवं ज्वलर्सों के यहां अधिक नकदी लेनदेन होता है। साथ ही बैंक में भी नकदी व्यवहार बढ़ता है। ऐसे समय में लूट व चोरी की आशंका रहती हैं। पुलिस की ओर से तीन दिन पूर्व शहर के अधिकतर ज्वेलर्स एसोसिएशन एवं आंगडिया पेढ़ी संचालकों के साथ बैठक की, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई थी। इसके बाद पुलिस आयुक्त की ओर से शहर के सोनी बाजार व आसपास के क्षेत्रों में गश्त करने की सूचना दी थी।

'सम्मेद शिखर की पवित्रता बनी रहेगी'

अहमदाबाद. जैनों का सबसे बड़ा पावन व पवित्र प्रमुख तीर्थस्थल एवं झारखंड में स्थित 'श्री सम्मेद शिखर' को लेकर वाट्सएप व फेसबुक पर कुछ मैसेज वायरल हुए, जिनमें शिखर पर भ्रामक कार्य होने के समाचारों से जैन समाज में रोष व्याप्त हो गया था। ऐसे में झारखंड के मुख्यमंत्री रघुबरदास ने आश्वासन दिया है कि सम्मेद शिखर की पवित्रता बनी रहेगी। सदियों पुराने शिखर पर्वत की पवित्रता को अक्षुण रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं एवं यहां पर ऐसा कोई कार्य नहीं होने देंगे।

झारखंड के मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस तीर्थ क्षेत्र में शराब, मांस का उपयोग ना हो, इसके लिए पहले से सख्त है और अब कड़ी निगरानी रखने के लिए गिरडीह जिला मजिस्ट्रेट को फिर से निर्देश देगी, ताकि समाज की भावना आहत नहीं हो।

यह जानकारी राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सुनील सिंघी, आनंदजी कल्याणजी पेढ़ी के अध्यक्ष सम्वेग लालभाई व पेढ़ी के ट्रस्टी श्रीपालभाई शाह ने मंगलवार को दी। श्री सम्मेद शिखर से २४ में से २० तीर्थंकरों ने मोक्ष प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि तीर्थ के ऊपर कुछ भ्रामक कार्य होने के समाचार मिलने से जैन समाज में रोष फैल गया था। ऐसे में इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व केन्द्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी एवं झारखंड के मुख्यमंत्री से इस संबंध में चर्चा और सोमवार को रांची में जैन समाज के प्रमुख ट्रस्टों के पदाधिकारियों के साथ एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड के सीएम से मिला।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सुनील सिंघी के नेतृत्व में गए प्रतिनिधि मंडल में आनंदजी कल्याणजी ट्रस्ट के ट्रस्टी श्रीपाल शाह (अहमदाबाद), श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक सोसायटी सम्मेत शिखर ट्रस्ट के अध्यक्ष कमलसिंह रामपुनिया (कोलकाता), जैन श्वेताम्बर सोसायटी कोलकाता के ट्रस्टी अजय बोथरा, शशिकांत नवलखा, ट्रस्टी सुदीप शाह, विनोद बागरेचा, ताराबेन, दिगम्बर समाज के एम.पी. अजमेरा (पूर्व आईएएस), मुम्बई के हितेश मुथा, सेवशिखरजी आंदोलन पुणे के प्रतिनिधि मुकेशभाई व भाविकभाई शामिल थे। मुख्यमंत्री की ओर से मिले लिखित आश्वासन के बाद जैन समाज में खुशी का माहौल है। आश्वासन में उल्लेख किया है कि 'पारसनाथ सम्मेत शिखरजी पर्वत सदियों से जैन धर्मावलंबियों का विश्व प्रसिद्ध पवित्र एवं पूजनीत तीर्थ स्थल है, इसकी पवित्रता अक्षुण्ण रखने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है'।

जतीन पटेल आखिर में कोर्ट के समक्ष पेश हुआ

बिटकॉइन केस : जतीन ज्युडीशियल कस्टडी में

बिटकॉइन केस में केतन के भाई जतीन की महत्व की भूमिका : कोर्ट ने सीआईडी क्राइम को नोटिस जारी किया

(संपूर्ण समाचार सेवा)
अहमदाबाद,२३ अक्टूबर।

गुजरातभर में सनसनी मचानेवाले १२ करोड़ रुपये के बिटकॉइन केस में फरार आरोपी जतीन पटेल ने गत दिन देर शाम को अहमदाबाद की स्पेशियल एसीबी कोर्ट के समक्ष सरेन्डर करना दिया। हालांकि, कोर्ट ने आरोपी जतीन पटेल को साबरमती जेल में ज्युडीशियल कस्टडी में भेजने का आदेश देकर इस केस में सीआईडी क्राइम को नोटिस जारी किया गया। कोर्ट ने केस की आगे की सुनवाई आगामी दिनों में रखी गई थी। सूरत के बिल्डर शैलेष भट्ट द्वारा सीआईडी में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि, अमरेली पुलिस और नलिन कोटडिया तथा उनके साथियों द्वारा उनके यह अपहरण की साजिश करके उनका गांधीनगर से अपहरण किया गया था। इसके बाद उनके पास रहे बारह करोड़ रुपये की कीमत के बिटकॉइन लूट लिया गया था। यह मामले में सीआईडी क्राइम ब्रांच ने जांच करने पर बिटकॉइन के पूरे केस में अमरेली के एसपी. जगदीश पटेल, पुलिस इंस्पेक्टर अनंत पटेल तथा पूर्व विधायक नलिन कोटडिया द्वारा साजिश रची गई होने का सामने आया था। यह पूरे घोटाले में सूरत के दो व्यक्ति की भूमिका महत्व की होने की जानकारी मिली है। पूरी योजना बनाने के लिए सूरत के किरीट पालडीया और वकील केतन पटेल द्वारा भी महत्व की भूमिका निभाई गई होने का जांच में सामने आया। सीआईडी की जांच में सामने आया है कि, कई महत्व की बैठकों में केतन पटेल का भाई जतीन पटेल भी उपस्थित था तथा बिटकॉइन लूटने के बाद इसकी भरपायी आंगडिया द्वारा हुई थी यह कामकाज जतीन पटेल ने किया था। पुलिस ने यह मामले में सभी शामिल रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। लेकिन वकील केतन पटेल की गिरफ्तारी के बाद इसका भाई जतीन फरार था। जतीन पटेल को ढूढ़ने के लिए सीआईडी द्वारा कोर्ट में से वॉरंट भी लिया गया था। लेकिन इसे ढूढ़ने में विफलता मिली थी। आखिर में गत दिन देर शाम को जतीन पटेल अहमदाबाद की स्पेशियल एसीबी कोर्ट में अपने वकील के साथ पेश हो गया था और अपने को सरेन्डर स्वीकार कर लिया था।

रुपयों के लिए बुजुर्ग को किया ब्लैकमेल

सूरताकतारगाम क्षेत्र के ७१ वर्षीय वृद्ध को महिला के साथ खींची गई फोटो वायरल करने की धमकी देकर रुपयों की मांग करने वाले दो जनों को कतारगाम पुलिस ने धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक अभियुक्तों ने ब्लैकमेल कर अब तक वृद्ध से ७.५० लाख रुपए ऐंठ लिए थे। पुलिस ने बताया कि पकड़े. गए अभियुक्तों के नाम बोटाद पालियाद रोड निवासी हितेश उर्फ मंगलू उर्फ भगो रघुभाई डांभला और अशोक वाघजी गोहिल है। दोनों ने २१ जुलाई को वृद्ध को फोन कर धमकी दी कि उनके पास अन्य महिला के साथ उसकी तस्वीर है और वह उसे वायरल कर बदनाम कर देंगे। वृद्ध डर गया और उसने ३० जुलाई को अभियुक्तों से मिलकर उन्हें २.८० लाख रुपए दे दिए। इसके बाद दोनों ने १५ अगस्त को दोबारा फोन कर वृद्ध को बांभण रोड पर बुलाया और यहा एक कमरे में लेकर जाकर एक महिला के साथ फोटो खींच ली और धमकी देकर पांच लाख रुपए मांगे। रुपए नहीं देने पर तस्वीरें वायरल करने और परिजनों को जान से मारने की धमकी दी। इस पर १६ अगस्त को वृद्ध ने दोबारा अभियुक्तों को एक लाख रुपए दिए। इसके बाद २४ अगस्त को और २.५० लाख तथा २२ सितम्बर को २० हजार रुपए दिए। अभियुक्तों की ओर से लगातार रुपयों की मांग बढ़ती गई तथा अंत में उन्होंने आठ लाख रुपए की मांग की। इस पर वृद्ध ने सारी हकीकत अपने बेटों को बताई और मामला पुलिस तक पहुंचा। रविवार को कतारगाम पुलिस ने जाल बिछाया और जैसे ही दोनों अभियुक्त रुपए लेने आए पुलिस ने उन्हें धर दबोचा।

फल विक्रेता और ऑटो चालक बनकर आरोपियों को पकड़ा

पुलिस ने बताया कि ब्लैकमेल कर रुपए वसूलने की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अभियुक्तों को पकडने. की योजना बनाई। वृद्ध से फोन करवाकर दोनों को रुपए लेने के लिए कतारगाम लक्ष्मीकांत आश्रम के पास बुलाया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी को आश्रम के पास फल बेचने के लिए बिठाया तथा एक पुलिसकर्मी को ऑटो चालक और अन्य मुसाफिर बनकर पास में खड़े हो गए। दो जनों को पास की साइकिल रिपेयरिंग की दुकान पर साइकिल रिपेयर करने के लिए बैठा दिया। जैसे ही दोनों अभियुक्त रुपए लेने आए पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

व्यापारियों ने एएमसी प्रशासन के प्रति नाराजगी

कचरा लेने में प्रशासन की लापरवाही, व्यापारी नाराज

कॉमर्शियल इकाई का कचरा लेने के मामले में प्रशासन भेदभाव रखता तो यूजर्सचार्ज क्यों चुकाया जाए : व्यापारी

(संपूर्ण समाचार सेवा)
अहमदाबाद,२३ अक्टूबर।

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा सूखे और गीले कचरे अलग करके इसे पिराना डम्प साइट पर डालने के लिए ले जानेवाली डोर टू डोर नई सिस्टम के विरूद्ध शिकायत की गई है। प्रशासन की यह नई सिस्टम के तहत कॉमर्शियल इकाई का कचरा भी जमा करने का काम शामिल किया गया है फिर भी कॉमर्शियल इकाई के व्यापारी भी खुश नहीं है। उत्तर पश्चिम जोन के बोडकदेव वोर्ड के व्यापारियों ने डोर टू डोर सिस्टम के विरूद्ध उच्च स्तर पर प्रशासन में पेशकश करके नाराजगी व्यक्त की है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के शासकों द्वारा फिलहाल में ही शहर में डोर टू डोर कचरे लेने के बहाने यूजर्सचार्ज नाम का नया टैक्स डाल दिया गया है, जिसमें प्रतिघर एक रुपये के अनुसार वार्षिक ३६५ रुपये और दुकान या कॉमर्शियल प्रति इकाई वार्षिक ७३० रुपये का यूजर्सचार्ज ३१ अगस्त, २०१८ से वसूल किया जा रहा है। दूसरी तरफ डोर टू डोर सिस्टम में अनियमितता देखने को मिली है। म्युनिसिपल सोलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट के पीछे काफी खर्च किया जाता है फिर भी यह विभाग का कामकाज लगातार कमजोर साबित हो रही है। बोडकदेव वोर्ड में डोर टू डोर के विरूद्ध गंभीर शिकायत की गई है। व्यापारियों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि, हमारे वोर्ड में कॉन्ट्राक्टर की कचरागाडी छोटे इकाई पास से कचरे नहीं लेती है। कई दिनों तक हमारे दुकानों का कचरा पड़ा रहता है। यूजर्सचार्ज डालकर भी यदि कॉमर्शियल इकाई का कचरा लेने के मामले में प्रशासन भेदभाव रखता हो तो यूजर्सचार्ज क्यों भुगतान करेगा। फिलहाल में हुई स्टेन्डिग कमिटी में स्थानीय कॉर्पोरेटर और स्टेन्डिग कमिटी की सदस्य दीप्तिबहन अमरकोटिया ने इस मामले में प्रशासन पर कार्रवाई की। बोडकदेव वोर्ड में छोटे व्यापारियों का कचरे क्यों नहीं लिया जाता है यह दीप्तिबहन के प्रश्न का प्रशासन के हर्षद सोलंकी सहित के जिम्मेदार अधिकारी योग्य जवाब पेश नहीं कर सके।

पेट्रोल-डीजल में मिलावट के आरोप पर पेट्रोलपंप सील

जामनगर। जामनगर जिले के लालपुर के पेट्रोल पंप पर मिलावट व पेट्रोल, डीजल का ज्यादा दाम लेने की शिकायत पर नागरिक आपूर्तिविभाग के अधिकारियों ने इसे सील कर दिया। लालपुर-पोपबंदर मार्गपर लालपुर पेट्रोलपंप के विरुद्ध शिकायत मिलने पर नागरिक व आपूर्तिविभाग के अधिकारियों ने गत २५ सितम्बर को जांच की थी और एक नम्बर की नोजल (टैंक नम्बर दो)को सील कर दिया था॥ वहां से पेट्रोल का नमूना लेकर गांधीनगर की एफएसएल की प्रयोगशाला में इसकी जांच कराईगईथी।शिकायत सही पाएजाने पर कलक्टर रविशंकर के आदेश पर नागरिक आपूर्तीविभाग के अधिकारी के.के.जाडेजा ने अधिकारियों के साथमिलकर पेट्रोलपंप को सील कर दिया॥उस समय पेट्रोलपंप पर १२ लाखरुपए का पेट्रोल और १० लाखका डीजल उपलब्ध था॥

दीपावली को अब कुछ ही दिन बाकी है तब दीए बनाने का काम भी चरमसीमा पर पहुंच चुका है।

आंगडिया पेढ़ी संचालक से २५ लाख की लूट : आरोपी फरार

जूनागढ़. जिले के माणावदर व बांटवा के बीच सोमवार शाम को कुछअज्ञात लोगों ने आंगडिया पेढ़ी संचालक से मारपीट कर उनके हाथसे २५ लाखरुपएसे भरा थैला लूट लिया। थैली लूट ली। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इस सम्बन्ध आंगडिया पेढ़ी के संचालक योगेशगोधिया के पुत्र भौमिक ने मंगलवार सुबह माणावदर पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्जकराई। मामले की जानकारी पर पुलिस अधीक्षक सौरभसिंह भी मौके पर पहुंच गए और मामले की गंभीरता को देखते उन्होंने पुलिस अधिकारियों को त्वरित गति से मामले की जांच के आदेशदिये। पुलिस के अनुसार माणावदर के बहारपरा में रहने व बांटवा में आंगडिया पेढ़ी चलाने वाले योगेशभाई सोमवार शाम को हिसाब करके अपनी बाकि से माणावदर जा रहे थे।तभी सुलतानाबाद गांव के समीप नो नकाबपोशों ने उनकी बाइक रुकवा ली। इस दौरान दोनों अज्ञात नकापोशों ने उनपर किसी ठोस पदार्थसे हमला कर उनके पास से २५ लाखरुपयों से भरा थैला लूट लिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।पुलिस का मानना है कि लुटेरे पहले से ही उनका पीछा कर रहे थे। यह सारा मामला सीसीटीवी में कैद हो गया।पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

बर्थडे पर प्रभास का फैन्स को तोहफा

साहो का पहला टीजर और मेकिंग विडियो रिलीज किया

विडियो १ मिनट २२ सेकंड का और ऐक्शन के मामले टॉप हॉलिवुड फिल्मों को टक्कर देती नजर आ रही है

(संपूर्ण समाचार सेवा)
मुंबई, २३ अक्टूबर।

बाहुबली स्टार प्रभास आज अपना ३९वां जन्मदिन मना रहे है और इस खास मौके पर उनकी अगली फिल्म साहो का पहला टीजर और मेकिंग विडियो रिलीज किया गया है। यह मेकिंग विडियो १ मिनट २२ सेकंड का है और ऐक्शन के मामले टॉप हॉलिवुड फिल्मों को टक्कर देती नजर आ रही है। इस विडियो की शुरुआत होती है उडते ड्रोन के बाद धीरे-धीरे नजर आने लगती है फिल्म की असली झलकियां। फिल्म के ऐक्शन डायरेक्टर केनी बेट्स अपना परिचय देते हुए कहते हैं,. हलो, मेरा नाम केनी बेट्स है और मैं यहां पर चीजों को बर्बाद करने आया हूं। कुछ पल के लिए श्रद्धा कपूर की झलक भी नजर आती है और यकीनन बेहद दमदार दिख रही। वह फिर बाइक से चेज करते प्रभास और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी काफी इम्प्रेसिव है। बता दें कि साहो हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में रिलीज हो रही है। फिल्म में नील नितिन मुकेश भी है, जो नेगेटिव रोल में होंगे। इसके अलावा जैकी श्रॉफ, मंदिरा बेदी, चंकी पांडे, महेश मांजरेकर भी नजर आएंगे। बता दें कि फैन्स पहले से ही अनुमान लगा रहे थे कि अपने बर्थडे पर प्रभास कुछ बड़ा अनाउंस कर सकते है। जहां कुछ फैन्स इस उम्मीद में थे कि वह अपनी शादी को लेकर घोषणा कर सकते है, वहीं उम्मीद यह भी जताई जा रही थी कि वह साहो का टीजर रिलीज कर सकते है।

चैलेन्जर पालीताना से प्रकाशित दैनिक — टेलीवुड हंगामा

२४-१०-२०१८ बुधवार

समय	जी टीवी	स्टार प्लस	सोनी टीवी	जी सिनेमा	कलर्स	सेट मैक्स	स्टार गोल्ड	स्टार मूवी
०६.००	जीवन की बाते	कुल्कीकुमार बाजेवाला	क्राइम पेट्रोल	॥	शक्ति	॥	॥	॥
०६.३०	टेलिशोपिंग	इश्कबाज	॥	टेलिशोपिंग	टेलिस्लोट	सत्यदेव फेरलेस कोप	॥	ऐक्समेन
०७.००	पवित्र रिश्ता	मरियम खान रिपोर्टिंग	द कपिल शर्मा शो	॥	॥	॥	एक विलन	॥
०७.३०	॥	ये हे मोहब्बते	॥	॥	॥	॥	॥	॥
०८.००	जोधा अकबर	कुल्फीकुमार बाजेवाला	॥	ये है जलसा	इन्टरनेटवाला लव	॥	॥	॥
०८.३०	॥	ये रिश्ता क्या कहेलाता है	मैं मायके चली जाउंगी	॥	सिलसिला बदले रिश्तो का	॥	॥	मोएना
०९.००	इश्क सुभान अल्लाह	क्रिष्ना चली लंडन	कौन बनेगा करोडपति	॥	नागिन-३	खतरनाक खिलाडी	॥	॥
०९.३०	॥	ये है महोब्बते	॥	ऐन्काउन्डर शंकर	॥	॥	॥	॥
१०.००	कुमकुमभाग्य	कुल्फीकुमार बाजेवाला	॥	॥	बेपनाह	॥	॥	॥
१०.३०	तुजसे है राब्ता	ये रिश्ता क्यां	॥	॥	इन्टरनेटवाला लव	॥	गायत्री	आइस एज
११.००	कुंडली भाग्य	कसोटी जिंदगी की	॥	॥	रुप	॥	॥	॥
११.३०	इश्क सुभान अल्लाह	नजर	॥	॥	तु आशिकी	॥	॥	॥
१२.००	॥	ये है मोहब्बते	क्राइम पेट्रोल	॥	सीलसीला बदलते रिश्तो का	राजमहेल-३	॥	॥
१२.३०	कुम कुम भाग्य	ये रिश्ता क्या कहेलाता है	॥	शूरवीर	बेपनाह	॥	॥	पाइरेट्स ओप द केरेबियन
०१.००	कुंडली भाग्य	कुल्फीकुमार बाजेवाला	॥	॥	रुप	॥	बजरंगी भाईजान	॥
०१.३०	तुजसे है राब्ता	कसोटी जिंदगी की	॥	॥	दास्ताने मोहब्बत	॥	॥	॥
०२.००	इश्क सुभान अल्लाह	क्रिष्ना चली लंडन	॥	॥	सिल सिला बदलते रिश्तो का	॥	॥	॥
०२.३०	सारेगामा	नजर	॥	॥	उडान	॥	॥	॥
०३.००	॥	मरियमखान रिपोर्टिंग	॥	॥	नार्गीन-३	भूतनाथ	॥	पाइरेट्स ओप द केरेबियन
०३.३०	॥	कसोटी जिंदगी की	॥	सिंघ इज ब्लिंग	॥	॥	॥	॥
०४.००	पवित्र रीस्ता	ये रिश्ता	॥	॥	बीग बोस	॥	॥	॥
०४.३०	॥	ये मोहब्बत	॥	॥	॥	॥	दे देना दन	॥
०५.००	जोधा अकबर	नजर	॥	॥	शक्ति	॥	॥	॥
०५.३०	॥	कुल्फीकुमार बाजेवाला	॥	॥	दास्ताने मोहब्बत	॥	॥	॥
०६.००	गुडुन तुमसे न हो पाएगा	कसोटी जिंदगी की	॥	॥	तु आशिकी	लिजेन्ड द टेरर	॥	एक्समेन
०६.३०	कुंडली भाग्य	ये रिश्ता क्या कहेलाता है	॥	नं.१ बिजनेसमेन	इन्टरनेटवाला लव	॥	॥	॥
०७.००	ये तेरी गलिया	डांडिया नाइट्स	मेरे साई	॥	उडान	॥	॥	॥
०७.३०	कालिरेईन	मरियम खान रिपोर्टिंग	विघ्नहर्ता गणेश	॥	इश्क में मरजावा	॥	॥	॥
०८.००	गुडुन तुमसे न हो पाएगा	कसोटी जिंदगी की	पोरस	॥	शक्ति	॥	गुलीबागवाली	॥
०८.३०	तुजसे है राब्ता	कुल्फीकुमार बाजेवाला	मैं मायके चली जाउंगी	॥	दास्ताने मोहब्बत	भैरवा	॥	॥
०९.००	कुम कुम भाग्य	क्रिष्ना चली लंडन	कौन बनेगा करोडपति	तबाही झुल्म की	बिग बोस	॥	॥	कुंग फु पांडा-३
०९.३०	कुंडली भाग्य	ये रिश्ता क्या	॥	॥	॥	॥	॥	॥
१०.००	इश्क सुभान अल्लाह	इश्कबाज	॥	॥	रुप	॥	॥	॥
१०.३०	आप के आ जाने से	ये हैं मोहब्बते	दिल ही तो है	॥	बेपनाह	॥	॥	॥
११.००	फीयर फाइल्स	नजर	ये उन दिनो की बात है	॥	सिलसिला बदलते रिश्तो का	॥	जांबाज की जंग	॥
११.३०	आपके आ जाने से	कुल्फीकुमार बाजेवाला	क्राइम पेट्रोल	॥	बिग बोस	॥	॥	॥
१२.००	॥	॥	॥	॥	॥	॥	॥	॥

चेलेन्जर पालीताना से प्रकाशित दैनिक

DATE : 24-10-2017, WEDNESDAY, PAGE - 4

सुप्रीम के फैसले बाद कलेक्टर भी एक्शन में

रात दस बजे के बाद पटाखे फोड़ने वाले विरूद्ध कार्रवाई

कलेक्टर इस मामले में अध्यादेश जारी करने की दिशा में काम शुरू कर दिया, हालांकि पटाखेप्रेमी जनता में

(संपूर्ण समाचार सेवा)
अहमदाबाद,२३ अक्टूबर।

दीपावली के त्यौहारों में पटाखे फोड़कर की जाती आतिशबाजी में सुप्रीम कोर्ट ने कम एमिशनवाला और लाइसेंस हो तथा उनको पटाखे की बिक्री करने की मंजूरी देने के लिए कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मंगलवार को दिए गए एक महत्वपूर्ण फैसले में ऑनलाइन पटाखे की बिक्री पर प्रतिबंध लगाकर रात को ८ से १० बजे तक ही पटाखे फोड़ने की मंजूरी दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अहमदाबाद के जिला कलेक्टर विक्रांत पांडे भी सक्रिय हो गये है। अहमदाबाद कलेक्टर द्वारा भी सुप्रीम कोर्ट के नियमों को सख्ती पालन करके रात को निश्चित समय के अलावा पटाखे फोड़ने वाले के विरूद्ध नियम अनुसार कार्रवाई करने का बताया गया है। कलेक्टर ने इस मामले में अध्यादेश जारी करने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अहमदाबाद कलेक्टर भी एक्शन में आ गये है, जिसमें पर्यावरण को नुकसान करता पटाखे की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की कवायद शुरू की गई है। इतना ही नहीं, यदि प्रतिबंधित पुराने पटाखे की बिक्री करते विक्रेताओं पर छापेमारी की गई जाएगी। अहमदाबाद कलेक्टर द्वारा रात को दस बजे के बाद पटाखे फोड़नेवाले के विरूद्ध सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार सख्ती कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई थी। उल्लेखनीय है कि, सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली के त्यौहारों में पटाखे की बिक्री सहित इसकी मंजूरी मामले में मंगलवार को महत्व का फैसला सुनाया है। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कम एमिशनवाला और लाइसेंस हो उनको ही पटाखे की बिक्री करने की मंजूरी देने के लिए कहा गया है। इसके अलावा ऑनलाइन पटाखे की बिक्री अवैध माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के बताये अनुसार पेश किए गए नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी हरएक क्षेत्र के एसएचओ की रहेगी और यह नियमों का पालन नहीं कराया गया तो उनको निजी रूप से दोषी माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखे फोड़ने के लिए निश्चित समय भी घोषित किया गया है।

मेमनगर अंध ब्लाइंड लड़की प्रकाश गृह में ब्लाइंड लोगों ने दीपावली को लेकर उत्साहित है और दीए बनाने में लगे हुए हैं।

साल २०२० में लगातार ८ महीने प्राकृतिक आपदा

(संपूर्ण समाचार सेवा)
अहमदाबाद,२३ अक्टूबर।

युवा खगोलविद तथागत कश्यप ने और एक महत्व की भविष्यवाणी करते हुए बताया है कि, जनवरी से अगस्त-२०२० तक में लगातार ८ महीने के दौरान ज्यादा प्रमाण में भूकंप, ज्वालामुखी, हिमपात, मेघगर्जना के साथ बारिश और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं का जोर रहेगा। तथागत कश्यप ने अपने खगोलविद के इतने वर्षों के अनुभव के आधार पर अभी से २०५० तक में २० जितने ज्वालामुखी विस्फोट की तारीख के साथ भविष्यवाणी कर दी है। उन्होंने दावा किया है कि, वर्षों के संशोधन और गहन रिसर्च बाद ज्वालामुखी फटने की भविष्यवाणी करने में यह ९० फीसदी तक सही ठहरते है। जबकि भूकंप के लिए ७० फीसदी तक की सही भविष्यवाणी करके सक्षम बन गये है।

गांधीनगर में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में

अब अनुसूचित पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेगी : रुपाणी

सामाजिक सद्भाव-सौहार्द से विकासमय माहौल निर्माण करने के लिए सरकार -समाज के साथ मिलकर कार्य

(संपूर्ण समाचार सेवा)
गांधीनगर,२३ अक्टूबर।

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने सामाजिक सद्भाव को विकास की नींव बताते हुए स्पष्ट रूप से बताया है कि, अनुसूचित जाति-जनजाति, पीड़ितों, दलित वर्गों पर विशेष ध्यान देकर उनको सामाजिक न्याय मिले, सुरक्षा मिले इसके लिए तहसील स्तर से राज्य स्तर तक पूरी व्यवस्था का मोनिटरींग राज्य सरकार की पहली सेवा है। विजय रुपाणी सामाजिक न्याय और अधिकारिता तथा आदिवासी विकास विभाग की राज्य सतर्कता और मोनिटरींग समिति की बैठक अध्यक्षता से संबोधित कर रहे थे। गांधीनगर में आयोजित हुई इस बैठक में उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल, विधानसभा विपक्ष के नेता परेश धानाणी, मंत्रियों में गणपतसिंह वसावा और इश्वर परमार, प्रदीपसिंह जाडेजा तथा सांसद विनोदभाई चावडा और रामसिंह राठवा सहित विधायक उपस्थित हुए। मुख्यमंत्री ने बताया कि, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिवासियों पर के अत्याचार सरकार किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगी। ऐसे अत्याचार की घटनाओं में अपराधियों को कड़ी सजा हो और पीड़ितों को सही न्याय-सुरक्षा मिले यह सरकार की प्रतिबद्धता है यह भी उन्होंने बताया है। विजय रुपाणी ने स्पष्ट रूप से बताया है कि, ऐसे अत्याचार की घटना में कन्वीकशन और जुर्माना यह दो पेरामीटर्स होते है इसे सख्ती से लागू करके अत्याचारों की घटना में कन्वीकशन रेट-सजा का दर बढ़े तथा अपराधियों को कड़ी सजा जुर्माना हो इसके लिए संबंधित विभाग योग्य प्रबंधन करे। मुख्यमंत्री ने आगे बताया है कि, पिछड़ा-दलित-शोषित वर्गों पर अत्याचार रूके, उनको समानता मिले इसके लिए सरकार ही नहीं सभी साथ में मिलकर सामाजिक जिम्मेदारी निभाकर एक होकर अच्छा बनकर सद्भाव का माहौल निर्माण करे यह जरूरी है। बैठक की चर्चा के दौरान बताया गया है कि, राज्य सरकार ने ऐसी जातियों पर के अत्याचार की घटनाओं में सुधार किए गए सहायता के स्तर जारी किए है। इसके अनुसार, अनुसूचित जातियों पर के अत्याचार की घटनाओं में पिछले दो वर्ष में ३३ करोड़ रुपये की सहायता शिकार हुए व्यक्तियों को चुकाया गया है

शहर में २३ दिन में १७ चेन स्नेचिंग से महिलाओं में दहशत

नवरात्रि के दौरान चेन स्नेचिंग की घटनाएं बढ़ी : ७.७६ लाख रुपये की कीमत की चेन स्नेचिंग : रिपोर्ट में दावा

(संपूर्ण समाचार सेवा)
अहमदाबाद,२३ अक्टूबर।

शहर में प्रतिदिन चेन स्नेचिंग की घटना लगातार बढ़ने पर पुलिस चेन स्नेचरों को गिरफ्तार करने के लिए बेबस हो गई है। महिलाओं या पुरूषों के अब आम रोड पर या भीड़भाड़ क्षेत्र में भी सोने की चेन या आभूषण पहनकर निकलना अब सुरक्षित नहीं रहा है, क्योंकि चेन स्नेचर बाइक पर घूम स्टाइल से आकर चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देते है। शहर में हररोज किसी न किसी क्षेत्र में चेन स्नेचरों का शिकार निर्दोष नागरिक बन रहे है। इस महीने में सिर्फ २३ दिन में १७ चेन स्नेचिंग की घटनाएं हुई है, जिसकी वजह से शहरभर में महिलाओं और बुजुर्ग महिलाओं में भारी दहशत फैल गई है। महिलाओं के लिए अब तो सोना के आभूषण पहनकर बाहर निकलना जैसे खतरनाक बन गया है। चेन स्नेचरों के लिए अधिकतर बुजुर्ग महिलाएं सॉफ्ट टार्गेट रही है। शहर में चेन स्नेचरों का आतंक इतना बढ़ गया है कि, लोग अब सोने की चेन पहने से पहले दस बार विचार करते है कि कहीं बाइक पर चेन स्नेचरों आकर चेन नहीं खींच जाए। शहर में पिछले २३ दिन में १७ चेन स्नेचिंग की घटना हुई है। पुलिस के लिए गंभीर चिंता के साथ-साथ एक शर्मजनक बात हो सकती है। कृष्णनगर क्षेत्र में स्थित मधुवन ग्लोरी में रहती बुजुर्ग विमलाबहन रावल सुबह में पौते को लेकर दूध लेने जा रही थी तब बाइक पर आये शख्सों ने उनके गल में से २३ हजार रुपये की सोने की चेन खींचकर फरार हो गये थे। कृष्णगनर पुलिस ने इस मामले में अपराध दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। इसके अलावा पिछले २३ दिन में शहर में कुल १७ चेन स्नेचिंग की घटना हुई है। जिसमें चेन स्नेचरों ने ७.७६ लाख रुपये की सोने की चेन तोड़कर फरार हो गये है। शहर का कोई कोना बाकी नहीं हो जहां चेन स्नेचरों ने चेन स्नेचिंग की घटना को नहीं अंजाम दिया हो। आनंदनगर, वस्त्रापुर, माधुपूरा, शहरकोटडा, नवरंगपुरा, सोला, सरदारनगर, शाहीबाग सहित के सभी क्षेत्रों में निर्दोष लोग शिकार हुए हैं। चेन स्नेचर अधिकतर बुजुर्ग महिलाएं को ही टार्गेट करते है जो १७ लोग चेन स्नेचरों का शिकार हुए इसमें १० लोग बुजुर्ग महिलाएं है।

११.९३ लाख विद्यार्थी को १४७.८६ करोड़ की छात्रवृत्ति

२०१८-१९ में कक्षा १ से ८ के विद्यार्थियों को यूनिफोर्म सहायता, छात्रवृत्ति के तहत ७५० करोड़ भरपायी करेगी

(संपूर्ण समाचार सेवा)
गांधीनगर,२३ अक्टूबर।

आदिवासी मंत्री गणपत वसावा और सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री इश्वरभाई परमार ने बताया है कि, डीजिटल गुजरात के निर्माण क्षेत्र में गुजरात ने कई नये आयाम शुरू करके देश को नई दिशा बताई है। अब अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, गैर - आरक्षित आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के स्कूल में पढ़ते विद्यार्थियों को यूनिफोर्म और छात्रवृत्ति की सहायता सीधे उनके अकाउंट में जमा कराई जाती है। मंगलवार को आदिवासी मंत्री गणपत वसावा और आदिवासी राज्यमंत्री रमणभाई पाटकर की प्रेरक उपस्थिति में राज्य के ११.९३ लाख विद्यार्थियों को १४७.८६ करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति सहायता उनके बैंक खाते में सीधा बेनीफिट ट्रान्सफर (डीबीटी) से जमा कराई गई है। इस बारे में आगे की जानकारी देते हुए मंत्रियों ने बताया है कि, प्रगतिशील गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने जरूरतमंद लोगों को लाभ सीधा प्राप्त हो इसके लिए विशेष ध्यान केन्द्रित करके समय पर आयोजन किया गया है। इसकी वजह से राज्य में दलाली प्रथा बंद हो गई है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, गैर-आरक्षित आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों की डीजिटल गुजरात पोर्टल के द्वारा ऑनलाइन प्रस्ताव मंगाकर छात्रवृत्ति मंजूर करने का काम वर्ष २०१८-१९ में शुरू किया गया है। अभी तक में राज्य की स्कूलों में अभ्यास करते यह विद्यार्थियों को कक्षा-१ से १० में छात्रवृत्ति और कक्षा-१ से ८ में यूनिफोर्म सहायता देने की योजना लागू है। मंत्रियों ने कहा है कि, वर्ष २०१८-१९ में कक्षा १ से ८ के विद्यार्थियों को दी जाती यूनिफोर्म सहायता में वार्षिक ३०० रुपये की वृद्धि की गई होने से अब वार्षिक ६०० रुपये यूनिफोर्म सहायता चुकाई जाती हो वर्ष में प्रिमेट्रीक छात्रवृत्ति और यूनिफोर्म सहायता योजना में करीब ७५०.०० करोड़ रुपये की रकम विद्यार्थियों को मिलेगी।

पटाखे फोड़ने की सुप्रीम कोर्ट ने शर्त के तहत मंजूरी देने के बाद पटाखे के फैंस में खुशी की लहर फैल गई है। इसके साथ कारोबारियों में भी खुशी देखने को मिल रही है। ऑनलाइन पटाखे की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने से खुशी बढ़ गई है।

पहला घंटा फ्री पार्किंग को लेकर नाराज

न्यायाधीश आदेश विरूद्ध मॉल मल्टीप्लेक्स की अपील

आगामी दिनों में सुनवाई होगी : पार्किंग चार्ज के मुद्दे पर सुनने की या पेशकश का मौका नहीं दिया गया है

(संपूर्ण समाचार सेवा)
अहमदाबाद,२३ अक्टूबर।

शहर में विभिन्न शॉपिंग मॉल और मल्टीप्लेक्स में पार्किंग के मुद्दे पर चल रही कानूनी लड़ाई बढ़ती जा रही है। शहर के विभिन्न मॉल्स और मल्टीप्लेक्स में प्रथम पहला घंटे तक निःशुल्क पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराना और इसके बाद पार्किंग चार्ज वसूलने की मंजूरी देने पर सींगल न्यायाधीश के आदेश से नाराज कई मॉलधारकों ने गुजरात हाईकोर्ट की डीविजन बेंच के समक्ष लेटर्स पेटन्ट अपील दाखिल की है, जिसकी सुनवाई आगामी दिनों में हो ऐसी संभावना है। हालांकि, आगामी दिनों में राज्य के अभी और मॉल और मल्टीप्लेक्सधारकों की तरफ से अपील दाखिल की जाए ऐसी संभावना रही है। शहर में ट्राफिक और पार्किंग की समस्या को खत्म करने के लिए अहमदाबाद पुलिस ने हाईकोर्ट के निर्देश बाद शुरू किए गए अभियान के तहत शॉपिंग मॉल और मल्टीप्लेक्स में आते वाहनचालकों को निःशुल्क पार्किंग की सुविधा देने के लिए आदेश दिया गया था। जिसे मॉल और मल्टीप्लेक्स के मालिकों ने पहले गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी

प्रतिकात्मक तस्वीर

गई थी। हाईकोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मॉल मल्टीप्लेक्स में आते ग्राहकों को पहला घंटा निःशुल्क पार्किंग की सुविधा देने के लिए आदेश दिया गया था। हाईकोर्ट ने ठहराया है कि, राज्य सरकार ने पार्किंग के लिए कोई पॉलिसी नहीं बनाई है इसके कारण ग्राहकों को निःशुल्क पार्किंग की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जा सकती है। फिर भी मॉल और मल्टीप्लेक्स में आते ग्राहकों को पहला घंटा निःशुल्क सुविधा देनी पड़ेगी। इसके बाद घंटे के लिए टूव्हीलर को २० रुपये और कार के ३० रुपये की पार्किंग फीस के तहत वसूल किए जा सकेंगे। हालांकि सींगल न्यायाधीश के इस आदेश से नाराज कई मॉल और मल्टीप्लेक्सधारकधारकों ने हाईकोर्ट की डीविजन बेंच के समक्ष लेटर्स पेटन्ट अपील दाखिल की है, जिसमें यह मुद्दा उठाया गया है मूल केस में अर्जीकर्ता पीटिशन में शामिल थे ही नहीं तब उनको सुने बिना पहले का आदेश दिया गया है।

चेलेन्जर पालीताना से प्रकाशित दैनिक

भावनगर शहर में चेलेन्जर दैनिक हिन्दी का सोल एजन्सी देने का है।

जिसको रुचि रखते है वो हमारा संपर्क करे
Mo. 9428121933

चेलेन्जर पालीताना से प्रकाशित दैनिक

आप की धार्मिक प्रसंग, महोत्सव, सालगीरी, विहार कार्यक्रम, नगर नोंध, प्रेसनोट, विज्ञापन, श्रद्धांजली, अवसान नोंध देने के लिए संपर्क करे।

कार्यालय : 59, सुविधा शोपींग सेन्टर, पेलेस रोड, भैरवपरा, पालीताणा-364270
ओफिस नं.02848-251933,
Mo. 9428121933

Printer, Publisher & Owner by GOHIL PRATAPBHAI KESHUBHAI Printed at PATEL OFFSET, 115, ROYAL COMPLEX, HAZUR PAYGA ROAD, NR. HIGH COURT ROAD, BHAVNAGAR. Published at 58, SUVIDHA SHOPPING CENTER, PALACE ROAD, BHAIRAVPARA, PALITANA-364270, DIST. BHAVNAGAR , **RNI NO. GUJHIN/2017/71559,** Editor - GOHIL PRATAPBHAI KESHUBHAI